

ग्रामोदय विश्वविद्यालय में समरसता पाठ्यक्रम निर्माण कार्यशाला आयोजित

४

नवभारत न्यूज़

चित्रकूट, 18 जून, महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के आईटी सभागार में तीन दिवसीय समरसता पाठ्यक्रम निर्माण कार्यशाला का आज समापन हुआ समापन कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय प्रोफेसर भरत मिश्रा ने कहा कि निश्चय ही समरसता का यह पाठ्यक्रम नाना जी के सपना को साकार करने वाला पूरे देश का एक अनूठा पाठ्यक्रम है।

इस पाठ्यक्रम में नई शिक्षा नीति के समस्त प्रावधानों को समाहित किया गया है। छात्रों को कौशल प्रदान करने के लिए भी इस पाठ्यक्रम में व्यवस्था की गई। इस अवसर पर मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के महानिदेशक बी आर नायडू ने कहा कि यह पाठ्यक्रम 313 विकास खंडों में मध्यप्रदेश



जन अभियान परिषद के सहयोग से संचालित किया जाने वाला विश्वविद्यालय का ऐसा पाठ्यक्रम है जो ग्रामोदय की अधिकारणा को साकार करने में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि इस पाठ्यक्रम के द्वारा सच्चे अर्थों में ऐसे नेतृत्व का निर्माण होगा, जो गांव में सतत विकास लक्ष्य की पूर्ति के लिए मददगार साबित हो सके। इस अवसर पर समरसता के ग्रामीण विचारक के श्याम प्रसाद ने कहा कि समरसता समाज के पीड़ित एवं उपेक्षित एससी - एसटी के

समूहों को हिंदू समाज का अधिकार और बातें की प्रक्रिया हैं। वास्तव में सर्विधान में जिस संता और बंता का प्रावधान किया गया है, उसकी प्राप्ति का सही रास्ता समरसता ही है। समरसता पाठ्यक्रम मध्य प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व विकास कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित समाज कार्य स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के सामुदायिक नेतृत्व एवं सतत विकास में विशेषज्ञता सहित पाठ्यक्रम के वैकल्पिक विषय के रूप में

शामिल किया गया है। वैकल्पिक विषय में सामाजिक समरसता के भी पांच प्रश्न पत्र हैं इस अवसर पर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय औरंगाबाद के प्रोफेसर डॉ रमेश पांडे पांडव, दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रोफेसर चंद्रकांत मधुर, भोपाल से बरकतउल्लाल विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ गोपेश बाजपेई एवं समरसता के ग्रामीण संयोजक के श्याम प्रसाद भी विगत 3 दिनों से इस कार्यशाला में रह कर पाठ्य पुस्तकों के निर्माण की प्रक्रिया में शामिल हुए।

कार्यशाला के समापन के अवसर पर आभार प्रदर्शन प्रोफेसर अमरजीत सिंह निदेशक सीएमसीएलडीपी एवं डीन फैकल्टी आफ मैनेजमेंट ने किया कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर वीरेंद्र व्यास प्राध्यापक पत्रकारिता विभाग के द्वारा किया गया। कार्यशाला का आयोजन दायित्व डॉ अजय आर चौरे, डॉ जयशंकर मिश्रा, डॉ सूर्य प्रकाश शुक्ला ने सफलतापूर्वक पूर्ण किया।

मैहर
मैहर
बैर
मैदा
किस
कांगे
साथ
15
बना

दैनिक आधुनिक राजस्थान

ग्रामोदय विश्वविद्यालय ने समरसता पाठ्यक्रम निर्माण कार्यशाला सम्पन्न

चित्रकूट। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के आईटी सभागार में तीन दिवसीय समरसता पाठ्यक्रम निर्माण कार्यशाला का समापन हुआ समापन कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय प्रोफेसर भरत मिश्रा ने कहा कि निश्चय ही समरसता का यह पाठ्यक्रम नाना जी के सपना को साकार करने वाला पूरे देश का एक अनूठा पाठ्यक्रम है। इस पाठ्यक्रम में नई शिक्षा नीति के समस्त प्रावधानों को समाहित किया गया है। छात्रों को कौशल प्रदान करने के लिए भी इस पाठ्यक्रम में व्यवस्था की गई। इस अवसर पर मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के महानिदेशक बी आर नायडू ने कहा कि यह पाठ्यक्रम 313 विकास खंडों में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के सहयोग से संचालित किया जाने वाला विश्वविद्यालय का एसोसिएटेट एवं प्रोफेसर भरत मिश्रा ने कहा कि यह पाठ्यक्रम का अधिकारणा के अवधारणा को



साकार करने में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि इस पाठ्यक्रम के द्वारा सच्चे अर्थों में ऐसे नेतृत्व का निर्माण होगा, जो गांव में सतत विकास लक्ष्य की पूर्ति के लिए मददगार साबित हो सके। इस अवसर पर समरसता के ग्रामीण विचारक के श्याम प्रसाद ने कहा कि समरसता समाज के पीड़ित एवं उपेक्षित एससी - एसटी के समूहों को संता और बंता का प्रावधान किया गया है, उसकी प्राप्ति का सही रास्ता समरसता ही है। समरसता पाठ्यक्रम मध्य प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व विकास कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित समाज कार्य स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के सामुदायिक नेतृत्व एवं सतत विकास में विशेषज्ञता सहित पाठ्यक्रम के वैकल्पिक विषय के रूप में शामिल किया गया है। वैकल्पिक विषय में

सामाजिक समरसता के भी पांच प्रश्न पत्र हैं।

इस अवसर पर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय औरंगाबाद के प्रोफेसर डॉ रमेश पांडे पांडव, दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रोफेसर चंद्रकांत मधुर, भोपाल से बरकतउल्लाल विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ गोपेश बाजपेई एवं समरसता के ग्रामीण संयोजक के श्याम प्रसाद भी विगत 3 दिनों से इस कार्यशाला में रह कर पाठ्य पुस्तकों के निर्माण की प्रक्रिया में शामिल हुए। कार्यशाला के समापन के अवसर पर आभार प्रदर्शन प्रोफेसर अमरजीत सिंह निदेशक सीएमसीएलडीपी एवं डीन फैकल्टी आफ मैनेजमेंट ने किया कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर वीरेंद्र व्यास प्राध्यापक पत्रकारिता विभाग के द्वारा किया गया। कार्यशाला का आयोजन दायित्व डॉ अजय आर चौरे, डॉ जयशंकर मिश्रा, डॉ सूर्य प्रकाश शुक्ला ने सफलतापूर्वक पूर्ण किया।

ग्रामोदय विश्वविद्यालय में समरसता पाठ्यक्रम निर्माण कार्यशाला सम्पन्न

चित्रकृत। महात्मा गांधी चित्रकृत ग्रामोदय विश्वविद्यालय के आईटी सभागार में तीन दिवसीय समरसता पाठ्यक्रम निर्माण कार्यशाला का आज समाप्त हुआ। इसमाप्त कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति महात्मा गांधी चित्रकृत ग्रामोदय विश्वविद्यालय प्रोफेसर भरत मिश्र ने कहा कि निश्चय ही समरसता का यह पाठ्यक्रम नाना जी के सपना को साकार करने वाला पूरे देश का एक अनूठा पाठ्यक्रम है। इस पाठ्यक्रम में नई शिक्षा नीति के समरसता को समाहित किया गया है। छात्र को कौशल प्रदान करने के लिए भी इस पाठ्यक्रम में व्यवस्था की गई। इस अवसर पर मध्यप्रदेश जन



अभियान परिषद के महानिदेशक बी आर नायडू ने कहा कि यह पाठ्यक्रम 313 विकास खंडों में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के सहयोग से संचालित किया जाने वाला विश्वविद्यालय का ऐसा पाठ्यक्रम है जो ग्रामोदय की अवधारणा को साकार करने में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि इस पाठ्यक्रम के द्वारा सच्चे अर्थों में ऐसे नेतृत्व का निर्माण होगा, जो गाव में सतत विकास लक्ष्य की पूर्ति के लिए मददगार साबित हो सके। इस अवसर पर समरसता के राष्ट्रीय विचारक के श्याम प्रसाद ने कहा कि समरसता समाज के पीड़ित एवं उपेक्षित एससी - एसटी के समूहों को हिंदू समाज का अभिन्न अंग बनाने की प्रक्रिया है। वास्तव में

चंद्रकांत मधुर, भोपाल से बरकरातउला विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ गोपेश बाजपेई एवं समरसता के राष्ट्रीय संयोजक के श्याम प्रसाद भी विषय 3 दिनों से इस कार्यशाला में रह कर पाठ्य पुस्तकों के निर्माण की प्रक्रिया में शामिल हुए। कार्यशाला के समाप्त होने के अवसर पर आभार प्रदर्शन प्रोफेसर अमरजीत सिंह निदेशक सीएमसीएलडीपी एवं डीन फैकल्टी आफ मैनेजमेंट ने किया कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर वीरेंद्र व्यास प्राध्यापक पत्रकारिता विभाग के द्वारा किया गया। कार्यशाला का आयोजन दियत डॉ अजय आर चौरे, डॉ जयशंकर मिश्र, डॉ सूर्य प्रकाश शुक्ला ने सफलतापूर्वक पूर्ण किया।

बांदा

नव उपदेश 11

सत्रा, रविवार 19 जून 2022

र

समरसता समाज के पीड़ित एवं उपेक्षित एससी-एसटी के समूहों को

हिंदू समाज का अभिन्न अंग बनाने की प्रक्रिया है- यानि प्रसाद

ग्रामोदय विश्वविद्यालय में समरसता पाठ्यक्रम निर्माण कार्यशाला सम्पन्न

■ चित्रकृत (निम्न.)

महात्मा गांधी चित्रकृत ग्रामोदय विश्वविद्यालय के आईटी सभागार में तीन दिवसीय समरसता पाठ्यक्रम निर्माण कार्यशाला का समाप्त हुआ। इसमाप्त कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति महात्मा गांधी चित्रकृत विश्वविद्यालय प्रोफेसर भरत मिश्र ने कहा कि निश्चय ही समरसता का वाला पूरे देश का एक अनूठा पाठ्यक्रम है। इस पाठ्यक्रम में नई शिक्षा नीति के समरसता पाठ्यक्रम के लिए भी अवधारणा को साकार करने वाला पूरे देश का एक अनूठा पाठ्यक्रम है। इस



अंतर्गत संचालित समाज का यह साकारत एवं साकारत पाठ्यक्रमों के समूहावधिक नेतृत्व एवं सतत विकास में विशेषज्ञता सहित पाठ्यक्रम के वैकल्पिक विषय के रूप में शामिल किया गया है। वैकल्पिक विषय में सामाजिक समस्याओं के भी पांच प्रश्न पूछे गए हैं।

इस अवसर पर प्रोफेसर डॉ. रमेश पांडे और भोपाल से बरकरात विश्वविद्यालय के प्रोफेसर वीरेंद्र व्यास प्राध्यापक विभाग के द्वारा किया गया है। कार्यशाला का आयोजन दियत डॉ अजय आर चौरे, डॉ जयशंकर मिश्र, डॉ सूर्य प्रकाश शुक्ला ने सफलतापूर्वक के रूपमें लिया गया है। छात्र के जीवन विनाश करने के लिए भी इस पाठ्यक्रम में व्यवस्था की गई। इस अवसर पर मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के महानिदेशक बी आर नायडू ने कहा कि यह पाठ्यक्रम 313 विकास खंडों में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के सहयोग से संचालित किया जाने वाला विश्वविद्यालय का ऐसा पाठ्यक्रम है जो ग्रामोदय की अवधारणा को साकार करने में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि इस पाठ्यक्रम के द्वारा सच्चे अर्थों में ऐसे नेतृत्व का निर्माण होगा, जो गाव में सतत विकास परियोजना मुख्यमंत्री समूदायिक नेतृत्व विकास कार्यक्रम के

लक्ष्य की पूर्ति के लिए मददशार साबित हो सके।

इस अवसर पर समरसता के राष्ट्रीय विचारक के श्याम प्रसाद ने कहा कि समरसता समाज के पीड़ित एवं उपेक्षित एससी-एसटी के मध्यों को हिंदू समाज का अभिन्न अंग बनाने की प्रक्रिया है। वास्तव में साकारण में विसंगति और बंता का प्रवचन किया गया है, उसकी प्राप्ति का सही रूप समरसता है।

प्रसाद ने कहा कि यह पाठ्यक्रम के द्वारा किया गया है।

प्रसाद ने विषय 3 दिनों में इस कार्यशाला में रह कर पाठ्य पुस्तकों के निर्माण की प्रक्रिया में शामिल हुए। कार्यशाला के समाप्त होने के अवसर पर आभार प्रदर्शन प्रोफेसर अमरजीत सिंह निदेशक सीएमसीएलडीपी एवं डीन फैकल्टी आफ मैनेजमेंट ने किया। कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर वीरेंद्र व्यास प्राध्यापक विभाग विभाग के द्वारा किया गया है। कार्यशाला का आयोजन दियत डॉ अजय आर चौरे, डॉ जयशंकर मिश्र, डॉ सूर्य प्रकाश शुक्ला ने सफलतापूर्वक पूर्ण किया।

ग्रा.वि. की बीएलएड, बीएड, एमए, परीक्षाओं का परिणाम घोषित



चित्रकृत, (निम्न.)। महात्मा गांधी चित्रकृत ग्रामोदय विश्वविद्यालय द्वारा संचालित बीएलएड, स्नर्ट 2018-22 बीएड, एमए, स्नर्ट 2020-22 पाठ्यक्रम का पीड़ित एसटी परिषद कर दिया गया है। इन पाठ्यक्रमों के पीड़ित एसटी परिषद के कार्यालयों के विधायिकों को विषय प्रश्नों में निकली शिक्षा भी में अवेदन का सुअवसर उपलब्ध हो गया है। कुलपति प्रो. भरत मिश्र ने शिक्षा शासकियतात्मक पाठ्यक्रमों में सफल लक्ष्यानुसारी विषयों को बनाए दी दूर दूरके उच्चाल वैरियर के लिए हाथीगढ़ गुप्तकामानाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामोदय विश्वविद्यालय की गुणवत्ताएं विश्वविद्यालय पर परीक्षा और प्राध्यापकता के साथ परीक्षण घोषित करने के लिए भी बनाए गए हैं। परीक्षा निवेदित डॉ ललित कुमार ने परीक्षण की अधिकारीकृत घोषणा करते हुए बताया कि सांस्कृतिक सम्पर्कों के संबोधक डॉ व्यास के संस्कृत विश्वविद्यालय की वेबसाइट व नोटिस बोर्ड में परीक्षण प्रदर्शित कर दिया गया है। प्रश्न प्रक्रिया से जुड़े डॉ व्यास मिश्र गौर ने बताया कि यह बड़े गौरव की बात है कि अनेक विश्वविद्यालय अपनी तरफ शिक्षा शासक कार्यक्रमों के अंतिम सत्रार्थी की परीक्षण घोषित कर दिया।

ग्रामोदय विश्वविद्यालय में समरसता पाठ्यक्रम निर्माण कार्यशाला आयोजित

चित्रकूट। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के आईटी सभागर में तीन दिवसीय समरसता पाठ्यक्रम निर्माण कार्यशाला का आज समापन हुआ समापन कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय प्रोफेसर भरत मिश्रा ने कहा कि निश्चय ही समरसता का यह पाठ्यक्रम नाना जी के सपना को साकार करने वाला पूरे देश का एक अनूठा पाठ्यक्रम है। इस पाठ्यक्रम में नई शिक्षा नीति के समस्त प्रावधानों को समाहित किया गया है। छात्र को कौशल प्रदान करने के लिए भी इस पाठ्यक्रम में व्यवस्था की गई। इस अवसर पर मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के महानिदेशक बी आर नावदू ने कहा कि यह पाठ्यक्रम 313 विकास खंडों में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के सहयोग से संचालित किया जाने वाला



विश्वविद्यालय का ऐसा पाठ्यक्रम है जो ग्रामोदय की अवधारणा को साकार करने में सहायक सिद्ध होगा। इस अवसर पर समरसता के राष्ट्रीय विचारक के श्याम प्रसाद ने कहा कि समरसता समाज के पीड़ित एवं उपेक्षित एससी - एसटी के समूहों को हिंदू समाज का अभिन्न अंग बनाने की प्रक्रिया है। वास्तव में सविधान में जिस संता और बंता का प्रावधान किया गया है, उसकी प्राप्ति का सही रास्ता समरसता ही है। समरसता पाठ्यक्रम मध्य प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व विकास कार्यक्रम के अंतर्गत

संचालित समाज कार्य स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के सामुदायिक नेतृत्व एवं सतत विकास में विशेषज्ञता सहित पाठ्यक्रम के वैकल्पिक विषय के रूप में शामिल किया गया है। इस अवसर पर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय और गंगाबाद के प्रोफेसर डॉ रमेश पांडे पांडव, दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रोफेसर चंद्रकांता मधुर, भोपाल से बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ गोपेश बाजपेई एवं समरसता के राष्ट्रीय संयोजक के श्याम प्रसाद भी विगत 3 दिनों से इस कार्यशाला में रह कर पाठ्य पुस्तकों के निर्माण की प्रक्रिया में शामिल हुए।

प्र
स्टा

उत्कृ
उच्च
शिक्ष
निर्देश
समाज
बताए
शुरू
के प
कार्य
एवं व
प्राची
की उ
वी प
प्रवेश
किय
स्कूल
इसे ब
बच्चे
शिक्षा
शुरू

तीन दिवसीय कार्यशाला में वक्ताओं ने रखे विचार

‘देश में ग्रामोदय की अवधारणा को साकार करेगा समरसता पाठ्यक्रम’



पत्रिका plus रिपोर्टर

विक्रूट. महाराष्ट्र ग्रामोदय विश्वविद्यालय के आइटी समाजार में तीन दिवसीय समरसता पाठ्यक्रम निर्माण कार्यशाला का शुभारंभ को समाप्त हुआ। समाप्त कार्यक्रम की अवधारणा करते हुए कृत्यालयी प्रौ. भरत मिश्र ने कहा कि निशाय ही समरसता का यह पाठ्यक्रम नामांकी के सम्मान को साकार करने वाला पूरे देश का एक अनूठा पाठ्यक्रम है।

इस पाठ्यक्रम में नई शिक्षा नीति के समरसता प्राक्षान्ते को समर्हित किया गया है। इत्र को कौशल प्रदान

करने के लिए भी इस पाठ्यक्रम में व्यापक की गई। महाराष्ट्र जन अभियान परिषद के महानिदेशक डॉआर नायदू ने कहा कि यह पाठ्यक्रम 313 विकासस्थङ्गों में मध्यांदेश जन अभियान परिषद के सहयोग से संचालित किया जाने वाला विश्वविद्यालय का ऐसा पाठ्यक्रम है जो ग्रामोदय की अवधारणा को साकार करने में सहायक सिद्ध होग। समरसता के राष्ट्रीय विद्यारक के श्याम प्रसाद ने कहा कि समरसता समाज के पीड़ित एवं उपेक्षित एससी-एसटी के लम्हों को हिंदू समाज का अभिन्न और बनाने की प्रक्रिया है। इस अवसर पर मराठवाडा विश्वविद्यालय

औरंगाबाद के प्रौ. डॉ रमेश पांडे पांडे, विल्स विश्वविद्यालय की प्रोफेसर खंडवाळा मधुर भोपल से वरकरउल्ला गोपेश वाजपेई एवं समरसता के राष्ट्रीय संयोजक के स्थान प्रसाद शामिल हुए। आभार प्रदर्शन प्रोफेसर अमरजीत सिंह निदेशक सीएमसीएलडीपी एवं डीन फैकल्टी आफ मैनेजमेंट ने किया। कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर वीरेंद्र व्यास प्राप्यायक प्रकारिता विभाग, आयोजन दायित्व डॉ अजय आर चौरे, डॉ जयरामकर मिश्र, डॉ तुर्य प्रकाश शुक्ला ने सफलतापूर्वक पूर्ण किया।

ग्रामोदय विश्वविद्यालय में समरसता पाठ्यक्रम निर्माण कार्यशाला सम्पन्न

चित्रकूट। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के आईटी सभागार में तीन दिवसीय समरसता पाठ्यक्रम निर्माण कार्यशाला का स्थानिकार को समाप्त हुआ। समाप्तन कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय प्रोफेसर भृत पिंडा ने कहा कि विषय ही समरसता का यह पाठ्यक्रम नाना जी के संपर्कों को साकार करने वाला पूरे देश का एक अनुत्तर पाठ्यक्रम है। इस पाठ्यक्रम में नई शिक्षा नीति के समस्त प्रावधारों को समाहित किया गया है। छात्र को कौशल प्रदान करने के लिए भी इस पाठ्यक्रम में ज्ञानस्था की गई। इस अवसर पर मध्यप्रदेश जन अधियान परिषद के भवानिदेशक बी आर नायडू ने कहा कि यह पाठ्यक्रम 313 विकास संघों में मध्यप्रदेश जन अधियान परिषद के



सहयोग से संचालित किया जाने वाला विश्वविद्यालय का ऐसा पाठ्यक्रम है जो ग्रामोदय की अवधारणा को साकार करने में सहायक मिठु होगा। उन्होंने कहा कि इस पाठ्यक्रम के द्वारा सच्चे अर्थों में ऐसे नेतृत्व का निर्माण होगा, जो गांव में सतत विकास लक्ष्य की पूर्ति के लिए मददगार साधित हो सके। इस अवसर

पर समरसता के राष्ट्रीय विचारक के स्थाम प्रसाद ने कहा कि समरसता समाज के पीड़ित एवं उपेक्षित एससी - एसटी के सम्पूर्ण को हिंदू समाज का अधिज अंग बनाने की प्रक्रिया है। वास्तव में संविधान में जिस संता और बंता का प्राक्कथन किया गया है, उसकी प्राप्ति का सही रास्ता समरसता ही है। समरसता पाठ्यक्रम मध्य

प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व विकास कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित समाज कार्य छातक एवं छातकोत्तर पाठ्यक्रमों के सामुदायिक नेतृत्व एवं सतत विकास में विशेषज्ञता सहित पाठ्यक्रम के वैकल्पिक विषय के रूप में शामिल किया गया है। वैकल्पिक विषय में सामाजिक समरसता के भी पांच प्रश्न पत्र हैं। इस अवसर पर महात्मा गांधी विश्वविद्यालय औरंगाबाद के प्रोफेसर डॉ रमेश घांडे घांडव, दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रोफेसर चंद्रकांता मधुर, भोपाल से बरकतठाक्का विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ गोपेश बाजपेई एवं समरसता के राष्ट्रीय संबोधक के स्थाम प्रसाद भी विंगत 3 दिनों से इस कार्यशाला में रह कर पाठ्य पुस्तकों के निर्माण की प्रक्रिया में शामिल हुए।

क्षे ति म म ग च वे वि ल ल अ स ज व अ ल ल व म ने व